मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 174, मुंबई, शुक्रवार, 27 अगस्त, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R
अब हर सच होगा उजागर

TOLLYWOOD DRUGS CASE

ईडी ने एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह, चार्मी कौर, रवि तेजा और राणा दग्गुबाती को जारी किया

समन

2017 के ड्रग्स केस में हुई कार्रवाई

11 केस में आबकारी विभाग ने दायर की है चार्जशीट

संवाददाता

मुंबई। चार साल पुराने हैदराबाद के टॉलीवुड ड्रग्स केस में एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह, एक्टर राणा दग्गुबाती, रवि तेजा और चार्मी कौर समेत 10 कलाकारों को पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय ने समन भेजा है। बता दें कि राकुल प्रीत सिंह से सुशांत की मौत मामले में ड्रग्स एंगल की जांच करने वाली नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की टीम भी पूछताछ कर चुकी है। हालांकि, उस केस में राकुल को कोई आरोपी नहीं बनाया गया है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

क्लीन चिट देने वाले अधिकारियों को भी किया गया तलब

ईडी ने मामले की जांच करने वाले आबकारी विभाग के अधिकारियों को भी पूछताछ के लिए तलब किया है। दिलचस्प यह है कि आबकारी विभाग की विशेष जांच टीम (एसआईओ) ने सबूतों के अभाव में टॉलीवुड कलाकारों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की थी, हालांकि, सभी से पूछताछ जरुर की गई थी। एक्साइज डिपार्टमेंट ने परोक्ष रूप में उन्हें क्लीन चिट देते हुए उनके खिलाफ कोई चार्जशीट दायर नहीं की थी।

मुंबईः अनाथ आश्रम में कोरोना विस्फोट

15 बच्चों समेत 22 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए

जानकारी के मुताबिक 22 लोगों में से 11 लोग ऐसे हैं, जो 12 से 18 साल के बीच की उम्र वाले हैं

मुंबई। मुंबई के आगरी पाड़ा इलाके में मौजूद सेंट जोसेफ अनाथ आश्रम में रहने वाले 15 बच्चों समेत 22 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। इनमें से चार बच्चे 12 वर्ष से कम उम्र के हैं। जिन्हें मुंबई के नायर अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

ड्यूटी पर मृत्यु होने की सूरत में महाराष्ट्र सरकार के कर्मचारियों के परिजन को मिलेगी नौकरी

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने बृहस्पतिवार को सेवा के दौरान मृत्यु होने पर सरकारी अधिकारियों के परिवार के पात्र सदस्यों को अनुकंपा आधार पर नौकरी देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से जारी बयान में कहा गया कि परिवार के पात्र सदस्यों को नौकरी देने की योजना सभी वर्गों के सरकारी अधिकारियों पर लागू होगी। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

जांच पर सवाल

पूर्व और वर्तमान सांसदों, विधायकों के खिलाफ दर्ज मामलों की धीमी जांच बहुत चिंताजनक है। जिन मामलों में जल्दी फैसले आ जाने थे, वे भी अटके हुए हैं। कुछ आपराधिक मामले तो 15 साल पहले दर्ज हुए थे और मामले भी ऐसे, जिनमें दोष सिद्ध होने पर आजीवन कारावास की सजा भी हो सकती थी, लेकिन ऐसे मामलों में भी जांच की दिशा में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की धीमी कार्रवाई बहुत चिंता में डाल देती है। सीबीआई के पास विधायकों और सांसदों से संबंधित 163 आपराधिक मामले लंबित हैं, जबकि प्रवर्तन निदेशालय के पास 122 मामले। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय जैसी जांच एजेंसियों को यथोचित ही फटकार लगाई है। 10-15 साल पहले दर्ज हुए मामलों में भी आरोपपत्र दायर नहीं किए गए हैं। देश के प्रधान न्यायाधीश एन वी रमना ने इन एजेंसियों से कारण बताने को कहा है। प्रवर्तन निदेशालय केवल संपत्तियों को कुर्क कर रहा है और इसके अलावा कुछ नहीं। तीन जजों की पीठ की अध्यक्षता कर रहे न्यायमूर्ति रमना ने साफ कह दिया है कि मामलों को यूं लटकाए न रखें, आरोपपत्र दाखिल करें। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी बहुत मायने रखती है। प्रधान न्यायाधीश ने लगे हाथ यह भी कहा है कि हम इन एजेंसियों के खिलाफ कुछ नहीं कहना चाहते, क्योंकि हम इनका मनोबल गिराना नहीं चाहते हैं। लेकिन यह सब (लंबित मामलों की संख्या) बहुत कुछ कहता है। ऐसा लगता है, इन एजेंसियों को जांच या मामलों को न्यायपूर्ण अंजाम तक पहुंचाने की कोई जल्दी नहीं है और यह बात सुप्रीम कोर्ट के सामने भी साफ तौर पर आई है। आज की स्थिति में एजेंसियां देरी के स्पष्ट कारण बताने की स्थिति में भी शायद नहीं हैं। यह स्थिति चौंकाती नहीं है, जब भी अपनी व्यवस्था में बड़े लोगों के खिलाफ शिकायत सामने आती है, तब उसका अंजाम पर पहुंचना आसान नहीं होता। कानून-व्यवस्था संभालने वाली एजेंसियां भी यह बात नहीं समझतीं कि अगर किसी अपराधी नेता को दस साल का मौका मिल गया, तो वह दो बार चुनाव जीतकर क्या कर सकता है? क्या किसी अपराधी नेता से हम उम्मीद कर सकते हैं कि वह देश में कानून-व्यवस्था संभालने वाली एजेंसियों को सहजता से काम करने देगा? असल चिंता यही है। इसमें कोई शक नहीं है कि राजनीति में अपराधियों की पैठ को रोकना सबकी जिम्मेदारी है। विशेष रूप से राजनीतिक दलों को अपनी भूमिका के प्रति सजग होना चाहिए। कुछ ही समय पहले सुप्रीम कोर्ट ने एक अन्य मामले में नौ राजनीतिक दलों को अवमानना का दोषी ठहराया था। दिक्कत यह है कि राजनीतिक दल दागी नेताओं को बचाने की हर मुमकिन कोशिश करते हैं। राजनीति में अपराधीकरण पर तल्ख टिप्पणी करते हुए शीर्ष अदालत एकाधिक बार इशारा कर चुकी है कि राजनीतिक दल राजनीति से अपराध खत्म करने की दिशा में सही कदम नहीं उठा रहे हैं। क्या सुप्रीम कोर्ट की ताजा पहल के बाद सुधार की संभावना बढ़ी है। प्राथमिक स्तर पर इन महत्वपूर्ण जांच एजेंसियों में मानव संसाधन की कमियों को पूरा करना चाहिए और इसके साथ ही अदालतों में भी कोई पद खाली नहीं रहना चाहिए, तभी कानून-व्यवस्था पूरी क्षमता के साथ काम कर सकेगी।

लोगों की जेब से निकलेगा छह लाख करोड़!

कोल माइनिंग प्रोजेक्ट्स हो सकता है कि सीधे आम लोगों को प्रभावित न करें लेकिन सड़कें, रेलवे लाइन, स्टेशन, हवाईअड्डे, गैस व पेट्रोलियम उत्पादों की पाइपलाइन, बिजली वितरण की लाइन या ऑप्टिक फाइबर की लाइन निजी कंपनियों को कमाई के लिए देने का सीधा मतलब है कि लोगों की जेब से पैसे निकाले जाएंगे। निजी कंपनियां सड़कों पर टोल बूथ बनवा कर टोल वसूलेंगी, जो सीधे आम लोगों की जेब से निकलेगा। केंद्र सरकार ने बड़े प्यार से देश के आम नागरिकों की जेब पर डाका डालने की एक योजना घोषित की है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को नेशनल मॉनेटाइजेशन प्लान यानी एनएमपी की घोषणा की। उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि सरकारी संपत्तियां एक निश्चित अवधि के लिए निजी कंपनियों को दी जाएंगी, जिससे वे कमाई करेंगी। उन्होंने इस योजना को स्पष्ट करते हुए दो बातें कहीं। पहली बात यह कि सरकारी संपत्तियां बेची नहीं जा रही हैं, बल्कि लीज पर दी जा रही हैं, उनका मालिकाना हक सरकार के पास ही रहेगा। और दूसरी बात यह कि ये ब्राउनफील्ड प्रोजेक्ट्स हैं। ब्राउनफील्ड प्रोजेक्ट्स का मतलब होता है कि उनमें निवेश हो गया है, प्रोजेक्ट्स पूरे हो गए हैं लेकिन उनसे कमाई नहीं हो रही है या लागत के मुकाबले कम कमाई हो रही है। इसलिए उन्हें निजी कंपनियों को दिया जा रहा है ताकि वे ज्यादा कमाई करके खुद भी रखें और सरकार को भी दें।

वित्त मंत्री ने दावा किया कि इस योजना के जरिए अगले चार साल में छह लाख करोड़ रुपए की कमाई होगी। असल में केंद्र सरकार ने 2019 में एक नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर प्लान यानी एनआईपी का ऐलान किया था, जो एक सौ लाख करोड़ रुपए का है। इस योजना की 2020 और 2021 में भी लाल किले से घोषणा हुई है। इसी एक सौ लाख करोड़ रुपए की इंफ्रास्ट्रक्चर योजना का 14 फीसदी यानी करीब छह लाख करोड़ रुपया नेशनल मॉनेटाइजेशन प्लान से

आना है। कह सकते हैं कि जो एनआईपी है वहीं एमएनपी भी है। इसे लेकर कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियों के नेता आरोप लगा रहे हैं कि सरकार पिछले 70 साल में बनाई गई संपत्तियां बेच रही है। राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के मजदूर संगठन भारतीय मजदूर संघ ने भी इसे 'पारिवारिक आभूषण बेचने जैसा' कहा है। वह इस पूरे मामले का एक अलग पहलू है। इसका दूसरा पहलू आम लोगों पर पड़ने वाला बोझ है। बहरहाल, वित्त मंत्री और नीति आयोग के सीईओ ने इस कानून के मामले में कई बातें स्पष्ट नहीं कीं और न किसी ने उनसे पूछने की जहमत उठाई। पहला सवाल तो यह है कि ये जो कंपनियां चार साल में छह लाख करोड़ रुपए कमाएंगी वह कमाई कहां से आएगी? इसका जवाब है कि पैसा आम लोगों की जेब से निकलेगा। यह आम नागरिकों पर दोहरी मार है। पहले तो आम लोगों के टैक्स के पैसे से संपत्तियों का निर्माण हुआ और अब उसे निजी कंपनियों को दिया जा रहा है ताकि वे उसके इस्तेमाल की कीमत आम लोगों से वसूल सकें। याद करें कितनी बार सरकार के मंत्रियों ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा है कि लोगों के टैक्स के पैसे से हाईवे बने हैं! फिर ये हाईवे कैसे निजी कंपनियों को दिए जा सकते हैं कि वे लोगों से उस पर चलने के पैसे वसूलें! सरकार खुद वसूली नहीं कर पा रही है तो उसने भाड़े के लोग बैठाने का फैसला किया ताकि वे वसूली कर सकें! दूसरा सवाल यह है कि जब सरकार अपनी इन संपत्तियों से कमाई नहीं कर पा रही है तो निजी कंपनियां कैसे करेंगी? कहने की जरूरत नहीं है कि निजी कंपनियां अनाप-शनाप शुल्क लगाएंगी और डंडे के दम पर लोगों से वसूली करेंगी। तीसरा सवाल यह है कि छह लाख करोड़ की जिस कमाई की बात की जा रही है वह सरकार की कमाई है या कुल कमाई है? अगर सिर्फ सरकार को इतने पैसे मिलेंगे तो फिर कुल कितनी कमाई होने का अनुमान है या निजी कंपनियों को कितना पैसा मिलेगा?

इस योजना के तहत केंद्र सरकार 26,700 किलोमीटर सड़कें निजी कंपनियों को देगी। इसके अलावा 28,608 किलोमीटर लंबी बिजली वितरण लाइन और 2.86 लाख किलोमीटर की ऑप्टिक फाइबर लाइन भी निजी कंपनियों को देगी। अभी तक की सूचना के मुताबिक 15 रेलवे स्टेशन और 25 हवाईअड्डे निजी कंपनियों को दिए जाएंगे। इसके साथ ही 8,154 किलोमीटर की प्राकृतिक गैस लाइन और 3,939 किलोमीटर की पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति के लिए बनी पाइपलाइन भी निजी कंपनियों को दी जाएगी। सरकार 160 कोल माइनिंग प्रोजेक्ट्स भी निजी कंपनियों को देने जा रही है और 210 लाख मीट्रिक टन की क्षमता वाले वेयरहाउस भी निजी कंपनियों को दिए जाएंगे। कई सरकारी कॉलोनियां और आईटीडीसी के होटल रिडेवलपमेंट के लिए निजी कंपनियों को दिए जा रहे हैं। रेलवे के स्टेडियमों सहित कई स्टेडियम और खेल परिसर भी निजी कंपनियों को दिए जाएंगे ताकि वे इससे कमाई कर सकें। सरकार मान रही है कि स्टेडियम में खेल-कूद तो साल में 25-30 दिन होते हैं बाकी दिन निजी कंपनियां इसका दूसरा इस्तेमाल करके कमाई करेंगी। सोचें, एक तरफ प्रधानमंत्री ओलंपिक में पदक लाने वाले खिलाड़ियों के साथ फोटो खिंचवा रहे हैं तो दूसरी ओर सरकार खेल-कूद से अलग दूसरी गतिविधियों के लिए स्टेडियम निजी कंपनियों को दे रही है।

मनमानी का उदाहरण

महाराष्ट्र में केंद्रीय मंत्री नारायण राणे की गिरफ्तारी हतप्रभ करने वाली तो है ही, शासन के मनमाने इस्तेमाल और साथ ही भारतीय राजनीति में लगातार बढ़ती असहिष्णुता की भी परिचायक है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को लेकर नारायण राणे ने जो बयान दिया वह अस्वाभाविक, अरुचिकर और सामान्य राजनीतिक शिष्टाचार के प्रतिकूल तो कहा जा सकता है, लेकिन यह ऐसा वक्तव्य नहीं कि उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाए। यदि इस तरह छोटी-छोटी बातों पर गिरफ्तारियां होंगी तो किसी की खैर नहीं। सत्ता के अहंकार में चूर महाराष्ट्र सरकार ने न केवल नारायण राणे की गिरफ्तारी की, बल्कि इस दौरान यह भी सुनिश्चित किया कि उनके साथ किसी अपराधी की तरह व्यवहार किया जाए। नारायण राणे के साथ हुए पुलिसिया व्यवहार ने उन घटनाओं की याद दिला दी जिनकी चपेट में एक टीवी चैनल के संपादक और मशहूर अभिनेत्री कंगना रनोट आई थीं। ऐसा लगता है कि महाराष्ट्र सरकार अपने राजनीतिक आकाओं का हुक्म बजाते समय सामान्य तौर-तरीकों को भुला देना और शिवसेना की निजी सेना की तरह व्यवहार करना पसंद कर रही है।

उसे अपनी प्रतिष्ठा के साथ लोकलाज की कुछ तो परवाह करनी चाहिए। निःसंदेह ऐसी ही अपेक्षा महाराष्ट्र सरकार से भी है, लेकिन शायद उसने उन तौर-तरीकों को अपने शासन का हिस्सा बनाना तय कर लिया है जो उसने विपक्षी दल के रूप में अपने राजनीतिक विरोधियों के प्रति अपना रखे थे। नारायण राणे की जिस तरह से गिरफ्तारी हुई उससे यह स्पष्ट है कि महाराष्ट्र में भाजपा और शिवसेना के बीच की राजनीतिक कटुता और अधिक बढ़ेगी। इसके नतीजे में राज्य का राजनीतिक माहौल और अधिक दूषित ही होगा। भारतीय लोकतंत्र के लिए यह ठीक नहीं कि राजनीतिक दल प्रचलित मयार्दाओं का उल्लंघन करने की होड़ में लिप्त हो जाएं। माना कि शिवसेना को पूर्व शिवसैनिक नारायण राणे फूटी आंख नहीं सुहाते और वह जब से केंद्र में मंत्री बने हैं तब से उद्धव ठाकरे और उनके साथियों में उनके प्रति तल्खी बढ़ी ही है, लेकिन उन्हें ध्यान रखना चाहिए कि केंद्रीय मंत्री की अपनी एक गरिमा होती है। उनकी गरिमा से खिलवाड़ कर शिवसेना अपनी राजनीतिक खुन्नस तो निकाल सकती है, लेकिन उनके अथवा अन्य किसी के बोलने के अधिकार पर रोक नहीं लगा सकती। अभिव्यक्ति की स्वंतत्रता का अधिकार लोगों को अस्वाभाविक अथवा अरुचिकर बातें करने का भी अधिकार देता है। यदि इस अधिकार का विरोध दमनात्मक तौर-तरीकों से किया जाएगा तो इससे लोकतंत्र को क्षति ही पहुंचेगी। यदि शिवसेना यह चाहती है कि नारायण राणे संभल कर बोलें और उनके नेताओं के प्रति शालीनता का परिचय दें तो खुद उसे भी इसी तरह के व्यवहार का परिचय देने के लिए तैयार रहना चाहिए।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

-: सूचना :-

उपरोक्त विषयास अनुसरन आपणास विनती करण्यात येते की, नमुद अपमृत्युची थोडण्यात हकिकत अशी की बेवारस मयत इसम नामे गुलाब कुरेशी, उम्र 45 वर्ष, धंदा- कचरा बेवने, धर्म- मुस्लिम, रा.टी. वाकोळा ब्रिज खाली, वाकोला जंक्शन रिजन्सी हॉटेल समोर सांताक्रुज पुर्व मुंबई, येथे बेशुध्द अवस्थेत पडला असलेबावत इसम नामे प्रकाश धर्मपाल सकपाल यानी पो. ठाणे माहिती दिल्याने घटनास्थळी येवून खागजी ॲम्ब्युलन्सने सदर बेशुध्द इसमास व्हि.एन.देसाई रुगणालय येथे आणले असता वैदयकिय अधिकारी यांनी सदर इसमास दाखलपुर्व मयत घोषित केले. अपमृत्यु नोंद क्र. 98/2021, कलम 174 सीआरपीसी.

वरिष्ठ पोलीस निरीक्षक, वाकोला पोलीस ठाणे, मुंबई
संपर्क : 7506299765

महाराष्ट्र में टमाटर उत्पादक किसानों की बेबसी, सड़क पर फेंकें टमाटर

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के नासिक शहर में एक किसान ने सैकड़ों किलो टमाटर सड़क पर फेंक दिया। दरअसल इस किसान का कहना है कि उसे टमाटर का 1 से 2 प्रति किलो भाव दिया जा रहा है। जिसकी वजह से उसकी लागत तक नहीं निकल पा रही है। ऐसे में उसके पास टमाटर फेंकने के अलावा दूसरा कोई विकल्प नहीं है। ऐसा ही वाकया कुछ दिनों पहले महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में भी देखने को मिला था। फिलहाल महाराष्ट्र में टमाटर उत्पादक किसानों को काफी ज्यादा दिक्कत उठानी पड़ रही है।

जमानत पर रिहा केंद्रीय मंत्री नारायण राणे की तबीयत खराब

लीलावती अस्पताल में हुए भर्ती

मुंबई। केंद्रीय मंत्री नारायण राणे को तबीयत खराब होने के चलते मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे पर विवादित बयानबाजी के बाद शिवसेना के साथ उनकी तीखी जंग देखने को मिली थी। इसके बाद राणे को महाराष्ट्र पुलिस ने गिरफ्तार भी किया था हालांकि स्वास्थ्य कारणों के हवाले से उन्हें जमानत मिल गई थी। नारायण राणे इस वक्त अपनी जन आशीर्वाद यात्रा के दौरान महाराष्ट्र के कई जिलों का दौरा कर रहे हैं। अपनी इसी यात्रा के दौरान उन्होंने उद्धव ठाकरे पर विवादित बयान दिया था। दरअसल

नारायण राणे ने उद्धव के स्वतंत्रता दिवस के बारे में भूलने का दावा करते हुए कहा था कि 'मैं अगर वहां होता तो कान के नीचे लगाता।' राणे के इस बयान पर काफी बवाल हुआ। नारायण राणे के बयान का विरोध करते हुए शिवसैनिकों ने मंगलवार को जगह-जगह हंगामा काटा था। नासिक स्थित बीजेपी दफ्तर के बाहर पत्थर फेंके गए थे। कई जगह उनके आपत्तिजनक बयान के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज हुई थी। महाराष्ट्र पुलिस ने मंगलवार दोपहर ढाई बजे नारायण राणे को चिपलून से गिरफ्तार किया था। देर रात उनकी महाड कोर्ट में पेशी हुई जहां स्वास्थ्य कारणों के चलते नारायण राणे को सशर्त जमानत दे दी गई थी।

'भाजपा की खोखली धमकियों से नहीं डरते एमवीए के मंत्री'

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के खिलाफ केंद्रीय मंत्री नारायण राणे की विवादास्पद टिप्पणी के मद्देनजर, राज्य में सत्ता साझा करने वाली राकांपा ने बृहस्पतिवार को भाजपा पर महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार के मंत्रियों और नेताओं को धमकाने का आरोप लगाया। राकांपा प्रवक्ता एवं राज्य के मंत्री नवाब मलिक ने संवाददाताओं से कहा कि भाजपा केंद्र सरकार की शक्ति का दुरुपयोग कर सकती है, लेकिन महाराष्ट्र का कोई भी नेता पार्टी की 'खोखली धमकियों' से नहीं डरता। राणे की टिप्पणी के बाद भाजपा और सत्तारूढ़ शिवसेना के बीच झड़पों की ओर इशारा करते हुए राकांपा नेता ने कहा, भाजपा एमवीए मंत्रियों और नेताओं को धमकी दे रही है। वह सत्ता का दुरुपयोग करके झूठे मामलों में शिकायत दर्ज कराकर हमारे नेताओं को जेल भेजने के लिए स्वतंत्र है। इसमें भाजपा की ओर से कुछ भी नया नहीं है। केंद्रीय मंत्री को मंगलवार दोपहर में महाराष्ट्र के रत्नागिरि जिले से गिरफ्तार किया गया था।

राणे को रायगढ़ जिले में सोमवार को उनकी 'जन आशीर्वाद यात्रा' के दौरान की गई उनकी टिप्पणी के बाद गिरफ्तार किया गया था। बाद में रायगढ़ की एक अदालत ने उन्हें जमानत दे दी थी। राणे ने अपनी टिप्पणी में दावा किया था कि स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे यह भूल गए कि देश की आजादी को कितने साल हुए हैं। राणे ने कहा था, यह शर्मनाक है कि मुख्यमंत्री को यह नहीं पता कि आजादी को कितने साल हो गए हैं। भाषण के दौरान वह पीछे मुड़कर इस बारे में पूछते नजर आए थे। अगर मैं वहां होता तो उन्हें एक जोरदार थप्पड़ मारता। राणे की टिप्पणी और उनके खिलाफ बाद की कार्रवाई को लेकर पूरे महाराष्ट्र में विरोध- प्रदर्शन हुए। शिवसेना और भाजपा के कार्यकर्ता अलग-अलग आधार पर अपने-अपने प्रतिद्वंद्वी दल के नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर शिकायत दर्ज करा रहे हैं।

अफगानिस्तान संकट के बारे में बात करते हुए मलिक ने कहा कि राकांपा का विचार है कि इस मुद्दे पर सभी राजनीतिक दलों के बीच एकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा, दिल्ली में इस मुद्दे पर एक बैठक में भाग ले रहे पार्टी अध्यक्ष शरद पवार सभी दलों के बीच एकता पर जोर देंगे... सरकार अब तक उठाए गए कदमों का विवरण देगी और बैठक में आगे की राह पर चर्चा करेगी।

(पृष्ठ 1 का शेष)

टॉलीवुड ड्रग्स केस

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, 6 सितंबर को रकुल प्रीत सिंह, 8 सितंबर को राणा दग्गुबाती और 9 सितंबर को रवि तेजा को हैदराबाद स्थित ईडी ऑफिस में तलब किया गया है। ईडी ने टॉलीवुड के टॉप डायरेक्टर पुरी जगन्नाथ को 31 अगस्त को तलब किया है। इसके अलावा रवि तेजा के ड्राइवर श्रीनिवास और 'एफ' क्लब के जीएम के रूप में कार्यरत एक अज्ञात व्यक्ति को भी तलब किया गया है। उन्हें 2 से 22 सितंबर तक उपस्थित होने के लिए समन जारी किया गया है। 2017 में, तेलंगाना आबकारी और निषेध विभाग ने 30 लाख के ड्रग्स को जब्त करने के बाद 12 मामले दर्ज किए थे। इसी मामले में कई ड्रग्स तस्कर अरेस्ट हुए थे, जिसमें से 11 मामलों में चार्जशीट दाखिल की गई है। इस मामले में कुल 8 लोगों को आरोपी बनाया गया था, जिसमें से ज्यादातर ड्रग पहुंचाने वाले कोरियर बॉय थे। बाद में, पैसे की अवैध लेन-देन की जानकारी मिलने के बाद प्रवर्तन निदेशालय की इस केस में एंट्री हुई और मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज कर जांच की जा रही है। इस मामले की जांच करने वाले एसआईटी ने 2017 जुलाई में टॉलीवुड हस्तियों सहित 62 संदिग्धों के बाल और नाखून के नमूने एकत्र किए थे, लेकिन इस पर एसआईटी द्वारा कुछ भी खुलासा नहीं किया गया है। इसी मामले में दक्षिण अफ्रीका के नागरिक राफेल एलेक्स विक्टर के खिलाफ मुंबई से हैदराबाद में कोकीन की तस्करी और हैदराबाद में इसे बेचने के आरोप में एक आरोप पत्र दायर किया गया था। राफेल को अगस्त 2017 में गिरफ्तार किया गया था। ज्यादातर मामलों में, अफ्रीकी नागरिक जो निचले पायदान के तस्कर थे, उनके खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई थी। जांच के दौरान जब एसआईटी ने आरोपी से पूछताछ की तो सभी कलाकारों ने भूमिका से इनकार किया था।

मुंबईः अनाथ आश्रम में कोरोना विस्फोट

वहीं 12 साल से ऊपर के बच्चों को रिचर्ड्सन एंड क्रूडस हॉस्पिटल में इलाज के लिए दाखिल करवाया गया है। अनाथ आश्रम में कोरोना मरीजों के मामले सामने आने पर वहां एक कैंप का आयोजन किया गया था। जहां पर 95 लोगों का कोरोना टेस्ट किया गया था। जिनमें से 22 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। नायर अस्पताल के डीन डॉ रमेश भारमल ने बताया कि भर्ती किए गए बच्चों को कोरोना के हलके लक्षण हैं, जिनका इलाज किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक 22 लोगों में से 11 लोग ऐसे हैं। जो 12 से 18 साल के बीच की उम्र वाले हैं। इन सभी लोगों को रिचर्ड्सन एंड क्रूडसअस्पताल में शिफ्ट किया गया है। इनके अलावा सात वयस्कों को भी इसी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया है। बीएमसी ने एहतियातन स्कूल की इमारत को सील कर दिया है।

ड्यूटी पर मृत्यु होने की सूरत में महाराष्ट्र सरकार के कर्मचारियों के परिजन को मिलेगी नौकरी

बयान में कहा गया है कि कोविड-19 के कारण कई सरकारी अधिकारियों की मौत हो गई और कर्मचारी संघ ऐसे कर्मचारियों के परिवार के पात्र सदस्यों को नौकरी देने की मांग कर रहे हैं जोकि आवश्यक योग्यता और अन्य मानदंडों को पूरा करते हैं। बयान के मुताबिक, अगर समूह ए या बी के अधिकारियों की मृत्यु होती है तो उनके परिवार के सदस्य को समूह सी या डी के पदों पर नियुक्ति दी जाएगी। इसमें कहा गया कि मंत्रिमंडल ने प्रशासनिक बाधाओं से बचने के लिए राज्य सेवा में अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति से संबंधित नियम बनाने को मंजूरी दी है।

स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने पीएम मोदी का जताया आभार

देश में अब तक 60 करोड़ का वैक्सीनेशन अक्टूबर में बच्चों को भी लगेगी वैक्सीन

संवाददाता / नई दिल्ली

कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में वैक्सीन के टीकाकरण का अभियान तेज गति से आगे बढ़ रहा है। बुधवार को वैक्सीन के टीकाकरण का नया रिकॉर्ड बन गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने बताया है कि देश में वैक्सीन के टीकाकरण का आंकड़ा 60 करोड़ के पार पहुंच गया है।

मंगलवार तक देश में 59.55 करोड़ लोगों को वैक्सीन मिली थी और बुधवार को दिन में 4 बजे तक टीकाकरण का आंकड़ा 60 करोड़ के ऊपर पहुंच गया था। टीकाकरण जारी है और संभावना है किबुधवार को बंद होने से पहले नया रिकॉर्ड बन जाएगा। टीकाकरण का आंकड़ा 60 करोड़ के पार होने पर मंडाविया ने पीएम का आभार जताया है। ट्वीट संदेश में लिखा है, पीएम मोदी जी के 'सबको वैक्सीन, मुफ्त वैक्सीन' अभियान के लिए धन्यवाद।

कोरोना वायरस के खिलाफ जंग में भारत में तेजी से चल रहा टीकाकरण अभियान

वयस्कों को इस तरह दी गई खुराक

मंगलवार देर रात तक टीकाकरण अभियान के तीसरे चरण की शुरुआत के बाद से कुल मिलाकर, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 18-44 वर्ष के आयु वर्ग के 22,33,59,860 व्यक्तियों ने अपनी पहली खुराक प्राप्त की है और 2,11,37,082 ने अपनी दूसरी खुराक ली है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, शाम सात बजे की रिपोर्ट के अनुसार टीकाकरण अभियान के 221वें दिन 38,29,038 लोगों को पहली खुराक और 16,38,513 लाभार्थियों को दूसरी खुराक दी गई।

16 जनवरी को शुरू किया गया था अभियान

देशभर में टीकाकरण अभियान 16 जनवरी को शुरू किया गया था, जिसमें सबसे पहले स्वास्थ्य कर्मियों (एचसीडब्ल्यू) को टीका लगाया गया था और दो फरवरी से अग्रिम मोर्चे के कर्मियों (एफएलडब्ल्यू) का टीकाकरण शुरू किया गया था। कोविड-19 टीकाकरण का अगला चरण 1 मार्च से 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों और गंभीर बीमारियों से ग्रस्त 45 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए शुरू हुआ था।

टीचर और स्टाफ का टीकाकरण जरूरी: डॉ. अरोरा

केंद्र की बनी कमेटी कोविड वर्किंग ग्रुप के चेयरमैन डॉ. एन के अरोरा के मुताबिक स्कूल खोलने के लिए बच्चों को टीकाकरण की जरूरत नहीं है। जरूरत ये है कि जिन घरों में बच्चे हैं वहां सभी माता-पिता और घर के दूसरे वयस्क टीका लगवा लेना चाहिए और साथ ही साथ स्कूल में टीचर और बाकि स्टाफ का भी वैक्सीनेशन हो जाना चाहिए। इस तरीके से बच्चा एक सुरक्षित आवरण में रहता है।

अक्टूबर के शुरुआत में 12 साल से ऊपर वालों को लगेगी वैक्सीन

कोरोना की तीसरी लहर की आशंकाओं के बीच भारत में 12 साल और उससे ऊपर की उम्र के बच्चों को कोरोना का टीका इस साल अक्टूबर के पहले हफ्ते से देने की योजना है। देश में 12 साल से 17 साल की उम्र के लगभग 12 करोड़ बच्चेहैं, लेकिन सबसे पहले उन बच्चों को वैक्सीन दी जाएगी जो किसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं। 12 साल और इससे ऊपर की उम्र के बच्चों के वैक्सीनेशन के लिए डीसीजीआई की तरफ से अनुमति मिल गई है। जायडस कैडिला की वैक्सीन जायकोव-डी को इस साल अक्टूबर के पहले हफ्ते से बच्चों को देने का कार्यक्रम है। केंद्र सरकार की बनी कोविड वर्किंग ग्रुप कमेटी के चेयरमैन डॉ. एनके अरोरा के मुताबिक कंपनी ने कहा है कि ये जायकोव डी अक्टूबर के पहले हफ्ते से वैक्सीनेशन प्रोग्राम में शामिल होने के लिए कहा है।

अधिकांश भारतीयों में डोज का कोई साइड इफ़ेक्ट नहीं

देश भर में टीका ले चुके लोगों पर किए गए एक सर्वेक्षण में पाया गया है कि कोविशील्ड और कोवैक्सीन की दोनों खुराक लेने वाले अधिकांश भारतीयों में बहुत हल्का या कोई भी दुष्प्रभाव (साइड इफेक्ट्स) अनुभव नहीं किया गया। भारत ने इसी साल 16 जनवरी से देश भर में बड़े पैमाने पर कोविड-19 को लेकर बड़ा टीकाकरण अभियान शुरू किया था। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा निर्मित कोविशील्ड और भारत बायोटेक द्वारा निर्मित कोवैक्सीन को को मंजूरी दी गई थी।इस सर्वे को सामुदायिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म लोकल सर्कल ने किया है।

कोरोना ने फिर बढ़ाई चिंता

एक दिन में सामने आए 37,593 केस

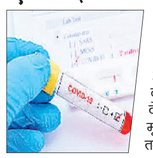

देश में बुधवार को कोरोना के मामले में मंगलवार के मुकाबले 12 हजार से अधिक की वृद्धि हो गई जिसने लोगों के साथ-साथ सरकार की भी चिंता बढ़ा दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार बीते 24 घंटे में कोरोना के 37,593 नए मामले आए हैं जबकि 648 लोगों की मौत हो गई। वहीं 34,169 मरीज स्वस्थ होकर घर लौट गए हैं। देश में एक्टिव मरीजों की संख्या 3,22,327 है। वहीं देश में कुल मृतकों की संख्या की बात करें तो यह 4,35,758 हो गई है और अब तक कुल स्वस्थ मरीजों की संख्या 3,17,54,281 हो गई है।

केरल में फिर बेकाबू हुई रफ्तार

केरल में बीते 24 घंटे में कोरोना के 24,296 नए मामले सामने आए हैं। जिससे राज्य में कोरोना संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 38,51,984 हो गई। जबकि 173 और मरीजों की मौत होने से मृतकों की तादाद 19,757 पर पहुंच गई।

फ्लाइट किराए पर पूरी तरह से हट सकती है प्राइस कैप, मंत्रालय-एयरलाइंस में हुई चर्चा

संवाददाता / नई दिल्ली

देश के नागरिक विमानन सेक्टर से बड़ी खबर है। केंद्र सरकार एविएशन सेक्टर में बड़े रिफॉर्म करने की तैयारी में है। जल्द फ्लाइट के किराए पर पूरी तरह से प्राइस कैप हटाने पर सरकार विचार कर सकती है। इस मुद्दे पर नागरिक उड्डयन मंत्रालय और घरेलू एयरलाइंस के बीच बातचीत हुई है।

■ तीसरी लहर के आने तक प्राइस कैप हटाने पर विचार किया जा सकता है

खबर के मुताबिक, पिछले हफ्ते नागरिक उड्डयन मंत्रालय और घरेलू एयरलाइंस के बीच प्राइस कैप के मुद्दे पर बातचीत हुई है। उसके बाद यह निकलकर सामने आया है कि सरकार प्राइस कैप पर जल्द कुछ फैसला लेगी। प्राइस कैप का मतलब है कि जिस सेक्टर में फ्लाइट जा रही है, उसके लिए सरकार की तरफ से किराए के मैक्सिमम लिमिट से ज्यादा एयरलाइंस किराया नहीं वसूल सकती हैं।

सरकार की तरफ से तय किराए से ज्यादा एयरलाइंस नहीं वसूल सकती किराया

तीसरी लहर का इंतजार करना कितना सही

देश की एविएशन इंडस्ट्री ने मंत्रालय के सामने अपना तर्क रखा जिसमें कहा कि अभी कोविड 19 की तीसरी लहर की आशंका नहीं जताई जा सकती और प्राइस कैप हटाने पर ही एविएशन इंडस्ट्री को प्रॉफिट हो सकता है। अगर कंपनियां अपने प्रॉफिट को संभाल नहीं पाई और कोविड की तीसरी लहर की आशंका लिए बैठ गई तो दिक्कतें आएंगी।

सिंधिया ने एविएशन कंपनियों की सुनी मांग : इंडस्ट्री की प्राइस कैप हटाने की डिमांड को नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सुना। उन्होंने कहा कि यह चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि चूंकि तीसरी लहर अभी आई नहीं है और मान लिया जब तक आएगी तब तक के लिए तो प्राइस कैप हटाने पर विचार किया जा सकता है।

फ्लाइट की क्षमता 85 फीसदी करने की अपील

एयरलाइंस कंपनियों ने मंत्रालय से फ्लाइट की क्षमता बढ़ाकर 85 प्रतिशत करने की अपील की है और इसको लेकर रिव्यू भी किया जा रहा है। बता दें, सिविल एविएशन सेक्टर में अक्टूबर से आमतौर पर पीक एयर ट्रैवल सीजन शुरू हो जाता है और एयरलाइन कंपनियां इसका फायदा उठाना चाह रही हैं।

प्राइस कैप हटते ही अधिकार एयरलाइंस कंपनियों के पास

सरकार अगर प्राइस कैप हटाती है तो फ्लाइट का किराया तय करने का पूरा अधिकारी एयरलाइंस कंपनियों के पास होगा। ऐसे में इसकी पूरी संभावना है कि कंपनियां अपनी प्रॉफिट बढ़ाने के लिए किराए में बढ़ोतरी कर सकती हैं। ऐसे में आपका एयर ट्रैवल आने वाले दिनों में महंगा हो सकता है। साथ ही एयरलाइन यह भी तय कर सकेंगी कि हमें कहां कितनी फ्लाइट चलानी है। हालांकि अगर सरकार यह फैसला लेती है तो एयरलाइन कंपनियों को काफी मदद भी मिलेगी जो पहले से ही चुनौतियों का सामना कर रही है।

भारत के प्रमुख थिंक टैंक ओआरएफ के कार्यक्रम में बोले सीडीएस जनरल रावत

बिल्कुल नहीं बदला तालिबान, बढ़ते आतंकी खतरे से निपटने के लिए हम पूरी तरह तैयार

संवाददाता / नई दिल्ली

20 साल बाद भी नहीं बदला तालिबान का चाल, चेहरा और चरित्र

अफगानिस्तान में सरकार गठन की कवायद में लगे तालिबान को लेकर बुधवार को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) का एक महत्वपूर्ण बयान सामने आया है। जिसमें उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा है कि तालिबान में आज भी कोई बदलाव नहीं आया है। ये वही तालिबान है जो दो दशक पहले अफगानिस्तान में सत्ता के केंद्र में था।

लेकिन दूसरी तरफ उन्होंने साफ किया कि तालिबान के नियंत्रण वाले अफगानिस्तान से किसी भी संभावित आतंकवादी गतिविधि के भारत के तरफ आने पर सख्ती से निपटा जाएगा। भारत इसे लेकर योजना बना रहा है और हमारी तैयारी पूरी है। यह बातें जनरल रावत ने भारत के एक प्रमुख थिंकटैंक ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दी। यहां बता दें कि सीडीएस का यह बयान एक ऐसे समय में सामने आया है। जब देश के सामरिक हलकों में सुरक्षा से जुड़े हुए विशेषज्ञों द्वारा लगातार ये अंदेशा जताया जा रहा है कि तालिबान शासन वाले अफगानिस्तान से लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों की गतिविधियां बढ़ सकती हैं। ये पाकिस्तान के इशारे पर भारत को निशाना बनाती हैं। इसके अलावा जनरल रावत ने यह सुझाव भी दिया है कि क्वॉड देशों को आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक युद्ध में सहयोग बढ़ाना चाहिए।

क्वाड से सहयोग की अपील

इन सबके बीच जनरल रावत ने अमेरिका को हिंद-प्रशांत कमांड के कमांडर एडमिरल जॉन एक्विलिनो से ओआरएफ के कार्यक्रम से इतर भी एक विशेष मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने अफगानिस्तान में बन रहे मौजूदा हालात और साझा हितों से जुड़े हुए जरूरी मुद्दों पर विस्तृत रूप में चर्चा की। इस बातचीत में जनरल रावत ने भारत, अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया के क्वाड समूह देशों से अपील की कि आतंकियों की पहचान और आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक युद्ध लड़ने के लिए सहयोग किया जाना चाहिए। जिसमें क्वाड के समर्थन से मिलने वाली खुफिया जानकारी का स्वागत किया जाना चाहिए।

आतंकमुक्त माहौल बनाने को प्रतिबद्ध

सीडीएस ने कहा कि भारत क्षेत्र में आतंकवाद रहित माहौल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। जहां तक अफगानिस्तान का सवाल है तो हम ये सुनिश्चित करेंगे कि वहां से भारत पहुंचने वाली किसी भी गतिविधि से उसी तरह से निपटा जाए जैसे हम अपने देश में आतंकवाद से निपट रहे हैं। भारत इस संभावित खतरे को लेकर चिंतित है। ऐसी चुनौतियों से निपटने के लिए आपातकालीन योजनाएं तैयार की गई हैं।

पता था अफगानिस्तान में होने वाला है सत्ता परिवर्तन

उन्होंने कहा कि भारत को इस बात का पहले से पता था कि अफगानिस्तान में सत्ता परिवर्तन होने वाला है। लेकिन जिस तेजी से सब कुछ घटित हुआ, उसने हमें जरूर चौंकाया। हमारा अंदाजा था कि ये कुछ महीनों बाद हो सकता है। आतंकी गतिविधियां अफगानिस्तान के रास्ते भारत पहुंचने के खतरे को लेकर हमारी आपात तैयारी चल रही है और हम उसके लिए तैयार हैं। जनरल रावत ने कहा, तालिबान बीते 20 सालों में भी नहीं बदला है। सिर्फ उसके सहयोगी बदल गए हैं। यह काफी कुछ वैसा ही है। जो 20 साल पहले था। मीडिया में आ रही खबरों और वहां से आए लोगों से मिल रही जानकारियां बता रही हैं कि तालिबान क्या कर रहा है, उसमें कोई खास बदलाव नहीं आया है। अगर कुछ बदला है तो वो उसके साझेदार हैं। ये दूसरे सहयोगियों के साथ वही दो दशक पुराना तालिबान है।

अमेरिका की चीन को चेतावनी

ओआरएफ के कार्यक्रम में अमेरिका के हिंद-प्रशांत कमांड के प्रमुख एडमिरल जॉन. सी.एक्विलिनो भी शामिल हुए। उन्होंने अपने संबोधन में चीन को चेतावनी देते हुए कहा कि चुनौतियों के लिहाज से हिंद-प्रशांत क्षेत्र भविष्य का सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र है। सभी के लिए नौवहन की स्वतंत्रता की इजाजत देने वाली नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था पर हमला निश्चित रूप से सबसे बड़ी चुनौती है। यह मूलभूत चिंता है। आर्थिक दबाव और धष्टाचार के मसले भी हैं। भारत को लेकर एलएसी पर संप्रभुता को लेकर भी चुनौतियां हैं। उधर हांगकांग के लोगों के खिलाफ नियम हैं। एडमिरल एक्विलिनो भारत के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। जिसकी शुरुआत बीते मंगलवार से हुई है। इसे आगे बढ़ाते हुए उन्होंने 25 अगस्त को सुखद राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की और उसके बाद साउथ ब्लॉक में स्थित रक्षा मंत्रालय में रक्षा सचिव अजय कुमार और सेनाप्रमुख जनरल नरावणे से भी मुलाकात की।

तीसरी लहर से निपटने के लिए 1200 डॉक्टर भर्ती करेगी महाराष्ट्र सरकार, खरीदी जाएंगी 1000 एंबुलेंस

मुंबई। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए कोरोना की तीसरी लहर को लेकर राज्य सरकार की तैयारियों का ब्यौरा दिया। उन्होंने कहा कि हम तीसरी लहर से निपटने के लिए पर्याप्त तैयारियां कर रहे हैं। हम 1200 डॉक्टरों को आगामी 12 से 5 सितंबर के पहले भर्ती करेंगे। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग में जितने भी कर्मचारियों के पद खाली हैं उन्हें भी भरा जाएगा। टोपे ने बताया कि महाराष्ट्र में पहले ऑक्सिजन की उपलब्धता 12 सौ से 13 सौ मीट्रिक टन की होती थी। जिसे अब बढ़ाकर 2000 मीट्रिक टन तक किया गया है। उन्होंने कहा कि जुलाई महीने में हुए महाराष्ट्र सरकार के विधानसभा अधिवेशन में तीसरी लहर से बचने के लिए जरूरी आर्थिक व्यवस्था का भी प्रबंध किया गया है। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र में सितंबर माह के अंत तक 1000 एंबुलेंस को भी खरीदा जाएगा। जिससे राज्य के सभी अस्पतालों खासतौर पर ग्रामीण अस्पतालों में भी एंबुलेंस की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध रहेगी। उन्होंने बताया कि अस्पतालों के इंफ्रास्ट्रक्चर को सुधारने के लिए भी 5000 करोड़ रुपए का कर्ज लेने की बात कही जा रही है।

15 सितंबर के सभी टीचरों का होगा वैक्सीनेशन

राजेश टोपे ने कहा कि तीसरी लहर में 60 लाख लोगों के संक्रमित होने का अंदाज है। एक समय में 13 लाख एक्टिव मरीज होने की भी बात कही जा रही है। ऐसे हालात से निपटने के लिए ही यह तैयारियां शुरू हैं। उन्होंने कहा कि सभी जिलों के कलेक्टर को सर्कुलर भेजा गया है। जिसमें टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ को 15 सितंबर से पहले वैक्सीनेशन पूरा करवाने का प्रयास है। स्कूल खोलने के तरफ यह महाराष्ट्र सरकार का बड़ा कदम है।

त्योहारों में छूट नहीं

राजेश टोपे ने बताया कि सितंबर और अक्टूबर महीने में ज्यादा त्यौहार हैं और यह खत्म होते ही तीसरी लहर के आने की आशंका भी जताई जा रही है। उन्होंने कहा कि केरल में कोरोना मामलों के बढ़ने के पीछे की एक बड़ी वजह ओणम त्यौहार का मनाया जाना भी है। ऐसे में महाराष्ट्र सरकार त्योहारों में कोई विशेष छूट देने के पक्ष में नहीं है। स्थानीय निकाय चुनाव के मुद्दे पर टोपे ने कहा है कि मुख्यमंत्री और अन्य मंत्री मिलकर चुनाव अधिकारियों से बातचीत करेंगे। और यह जानने की कोशिश करेंगे कि क्या मामले बढ़ने पर चुनाव आगे बढ़ाए जा सकते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मुस्लिम महासभा जिलाध्यक्ष रेहाना पठान ने असामाजिक तत्वों को गिफ्तार करने की मांग की

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

राजसमन्द। अंजुमन कमेटी राजसमंद द्वारा राज्यपाल महोदय के नाम का ज्ञापन जिला कलेक्टर राजसमंद को देकर यह मांग की गई राजनगर के नया बस स्टैंड स्थित पुरानी मजार बीवी साहब के ऊपर मजार पर कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा षडयंत्र पूर्वक गंदगी डाल दी गई शहर का माहौल खराब करने के मद्देनजर उक्त घटना को अंजाम दिया गया है उक्त मजार पर हर वर्ष की भांति मोहर्रम के दूसरे दिन शहर की मुस्लिम औरतें मन्नत मांगने आती है फूल माला चढ़ाकर धागा बांधकर जाती है उक्त कृत्य सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने वाला कृत्य है उक्त कृत्य से मुस्लिम समाज के लोगों में भी काफी रोष व्याप्त है जिसके लिए जिला अंजुमन कमेटी राजसमंद यह मांग करती है कि इस कृत्य को अंजाम देने वाले को तत्काल गिरफ्तार कर जेल भिजवाया जाए और मजार पर प्रशासन द्वारा पुख्ता सुरक्षा का इंतजाम किया जाए ज्ञापन के दौरान अन्जुमन जिला सदर अख्तर खान पठान, मुस्लिम महासभा जिलाध्यक्ष रेहाना खान पठान,नायकवड़ी दरगाह सदर उस्मान पठान,पार्षद लुबना सिलावट,पार्षद रुबीना,अब्दुल मजीद, टीपू सुल्तान,नसीम बानू, भूरी आपा, गोटी बाई, बानो बानू, गुलफंगी,जिबेना आदि मौजूद रहे।

महा टीकाकरण अभियान सीजन टू में सराहनीय योगदान

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

भोपाल। मैं करोना वॉलिंटियर अभियान के तहत मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद सहयोगी संस्था कायनात ह्यूमन डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा महा टीकाकरण अभियान में संजीवनी स्वास्थ्य केंद्र पटेल नगर में कायनात ह्यूमन डेवलपमेंट सोसाइटी की पूरी टीम ने जन जागरूकता कर लोगों को टीकाकरण के लिए घर घर जाकर लोगों को जागरूक किया एवं टीकाकरण केंद्र पर ले जाकर टीकाकरण करवाया संस्था अध्यक्ष समाजसेवी शेख फैयाज टीकाकरण केंद्र पर उपस्थित रहे स्वास्थ्य केंद्र पर उपस्थित डॉक्टर राजकता कुलकर्णी सुषमा सक्सेना नेहाल रीजोरी शांति विकी मोहम्मद निसार खान मोहम्मद समीर खान कुसुमलता गोहोडकी किश्ववर खान नाज शेख निशा खान उपस्थित रहे जिन लोगों ने टीकाकरण करवाया है सभी लोगों ने संस्था का एवं माननीय मुख्यमंत्री जी का आभार व्यक्त किया।

समस्तीपुर हलचल

डीआरएम ने समस्तीपुर जंक्शन का किया औचक निरीक्षण

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। समस्तीपुर मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) आलोक अग्रवाल ने मंडल के अधिकारियों के साथ गुरुवार को समस्तीपुर जंक्शन के एक से लेकर सात तक के सभी प्लेटफार्म का गहन एवं सूक्ष्म औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यात्रियों की सुविधा के लिए प्लेटफार्म पर बहाल पेयजल, शौचालय, यात्री विश्रामालय, वाई फाई, विभिन्न स्टेशनों की किराया सूची, कोच इंडिकेशन बोर्ड, जेनरल बुकिंग काउंटर, पार्सल आदि का गहन निरीक्षण करने के साथ ही प्लेटफार्म के प्रवेश एवं निकास द्वार का सुरक्षा की दृष्टि से सूक्ष्म निरीक्षण किया। डीआरएम का कार्यभार संभालने के बाद पहली बार अधिकारियों की पूरी टीम के साथ समस्तीपुर जंक्शन का निरीक्षण करने पहुंचे आलोक अग्रवाल के निशाने पर पार्किंग, वेंडिंग स्टॉल, ज्वाइंट क्रियू लॉबी, वूमेन एंड चाइल्ड हेल्प डेस्क, आरपीएफ पोस्ट, पीआरएस, कैश गार्ड, लिफ्ट एवं एस्क्लेटर के साथ साथ पे एंड यूज शौचालय, इंटीग्रेटेड सिक्योरिटी सिस्टम एवं पूछताछ कार्यालय आदि विशेष रूप से रहे। जिसका उन्होंने काफी बारीकी से निरीक्षण किया और यात्री सुविधाओं के विस्तार के लिए संबंधित अधिकारियों को अनेक जरूरी दिशा निर्देश मौके पर देते हुए रेलवे को नेटवर्क ऑपरेटिव बनाने पर विशेष ध्यान देने की बात कही। डीआरएम के निरीक्षण दल में सीनियर डीओएम रूपेश कुमार, सीनियर डीईएन को-ऑर्डिनेशन आरएन झा, डीओएम कोचिंग संगीता मीणा, सीनियर डीसीएम टीसी प्रसन्ना कुमार, सीनियर डीएमई रविश रंजन व सीनियर डीईई जी प्रभात कुमार सहित प्रोटोकॉल टू डीआरएम रविंद्र किशोर झा आदि शामिल थे।

प्रयागराज हलचल

प्रेमिका से मिलने उसके घर गए युवक को प्रेमालाप करते हुए परिजनों ने पकड़ा पीट-पीट कर की हत्या

संवाददाता/अरमान उलहक

प्रयागराज। उल्लेखनीय है प्रयागराज का पहले नाम इलाहाबाद था संगम नगरी प्रयागराज में प्रेम संबंधों के चलते एक युवक की पीट -पीटकर हत्या करने का मामला सामने आया है। युवक अपनी प्रेमिका से मिलने के लिए रात के अंधेरे में उसके गांव गया था। दोनों घर के नजदीक बातचीत कर प्रेमालाप कर रहे थे, तभी प्रेमिका के घर वाले भी वहां पहुंच गए प्रेमी ओर प्रेमिका को रंगे हाथों पकड़ लिया उन्होंने गांव के कुछ दूसरे लोगों के साथ मिलकर युवक की बेरहमी से पिटाई कर दी। बुरी तरह जख्मी युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई तो आरोपियों ने उसके शव को पड़ोस के एक नाले में फेंक दिया। युवक की बाइक को झाड़ियों के पीछे छिपा दिया। यह सनसनीखेज वारदात शहर से तकरीबन 60 किलोमीटर दूर मऊआइमा थाना क्षेत्र के अलीपुर गांव में हुई है। मौत के घाट उतारा गया युवक और आरोपी परिवार अलग-अलग धर्मों से हैं। तकरीबन बाइस साल का युवक मोहम्मद इरफान अलीपुर गांव में रहने वाली पटेल बिरादरी की एक लड़की से मोहब्बत करता था। बताया जाता है कि दोनों घर से भागकर जल्द ही शादी करने वाले थे। सोमवार की रात इरफान प्रेमिका से मिलने उसके गांव पहुंचा, तभी परिवार वालों की बर्बरता का शिकार हो गया। इरफान का शव तकरीबन 24 घंटे बाद नाले से बरामद किया गया। उसके परिवार की शिकायत पर पुलिस ने प्रेमिका के परिवार के दो सदस्यों के साथ ही कई अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर अपनी तफ्तीश शुरू कर दी है। अभी किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। पुलिस ने शक के आधार पर कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। एसपी (प्रोटोकॉल) कुलदीप सिंह के मुताबिक पुलिस हर एंगल पर मामले की जांच पड़ताल कर रही है। प्रेम प्रसंग का मामला भी शामिल है। उन्होंने कहा कि युवक की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और आरोपियों के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्रीय परशुराम परिषद स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

संवाददाता/अरमान उलहक

हाथरस। राष्ट्रीय परशुराम परिषद का स्थापना दिवस का आयोजन राष्ट्रीय परशुराम परिषद उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष मण्डल प्रभारी लखनऊ डॉ एम एल रावत सदस्य पूर्वोत्तर रैलवै कार्यालय जलेसर रोड रावत शिक्षा समिति दिव्यांग नि शुल्क आवासीय विद्यालय प्रशिक्षण कैन्द्र हाथरस के प्रागण में राष्ट्रीय परशुराम परिषद स्थापना दिवस धुमधाम से मनाया गया। जिस की अध्यक्षता डॉ एम एल रावत व निर्देशन आर्थिक सहयोग से सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि डॉ रावत ने भगवान परशुराम की छाया चित्र पर पुष्प माला अगवर्स आरती हवन जय श्री परशुराम के नारों से गुज उठा सभी बन्धुओं ने पुष्प अर्पण किए उक्त मोके पर डॉ रावत ने ब्राह्मण समाज की एकता पर जोर दिया ब्राह्मण अपमान का पात्र नहीं है जव जव देश और समाज पर अधमीर्य का अत्याचार समाज पर चरम पर हुआ तव तव रक्षा हेतु अपना सव कुछ वलिदान कर जान नोक्षावर की है जव देश गुलाम था तव ब्राह्मण के वलीदान से गुलामी की जन्जीरो से आजादी मीली ब्राह्मण ने देव दानव सभी की सुरक्षा की अधमीयो का नास किया भगवान परशुराम ने भी अत्त्याचार अधमीयो के नास करने हेतु फरसा उठाया और पापियो का नास किया था ईश्वर की सफथ लेकर राष्ट्रीय परशुराम परिषद का गठन आज के दिन किया गया में एसे महान सहयोगीयो महान गठन करने वाले महान योद्धाओं को सत सत नमन करता हूँ और उक्त विचारों से सहमत होकर अपना सयोग समाज हित में समर्पित भाव से तन मन धन समरपित भावना से जुड़ा हूँ ब्राह्मण अपने ब्राह्मण को सयोग कर एक दुसरे की टांग खींचने का काम वन्द कर पीछे खड़ा रहे देश में अनगिनत संगठन वनालिय है अच्छा है जितने चिराग होगे उतनी रोशनी होगी मगर सभी चिरागों को सयय पर एक जुट हो जाय तो अधेरी रात्रि में भी दिन जेसा उजाला होगा आज वह दीन आगया है एक जुटता दीखानी होगी जो लोग फुट डाल कर अपना उल्लू सीधा कर राजकरते रहे हैं और चुनाव आने पर कोई भगवान परशुराम की विशाल मुर्ती लगवाने की और ब्राह्मण अपने साथ आने को सभा आयोजनकर रिझाने के कार्य में लगे हैं काम निकले पर ब्राह्मणों को भुला देते हैं उन को सवक सीखने की आवश्यकता है इस के लिए सभी को एक मंच पर आने की परम आवश्यकता है और अपने ब्राह्मण गरीब असाय की सायता रोजगार, शादी विवाह में अवश्य सयोग कर बराबर पर बिठाने का कार्य जरूरत वन्दे की मदत कर करे एड सतीश उपाध्याय एड राजेश उपाध्याय एड गिर्राज किशोर शर्मा निरज शर्मा महावीर प्रसाद गोतम डॉ वी पी गोतम सत्यवीर सारस्वत चन्द्रमणि रावत मयक गोरव रागवैन्द्र पवन अलीगढ़। आदि ने ब्राह्मण एकता पर बिचार व्यक्ति संगठन में जुड सयोग करने पर सहमती वल दिया कोविड 19 जेसी भयंकर विमारी में समाज हित में सयोग करने वाले दिव्यांग व सहयोगियों का फुल माला अंगवस्त्र प्रसस्ती पत्र से सम्मानित किया। अलीगढ़ सादाबाद सिकन्दरा राऊ जनपद के वाहरी सभी को लोगों का आभार व्यक्त कियाऔर सभी से भोजन कर ने अनुरोध किया और अपने अपने क्षेत्र में ब्राह्मण एकता बनाने की अपील करते रहने की अपील की।

जग्गू भैया के बहनोई के निधन पर राज्यमंत्री गुलाब देवी ने व्यक्त किया शोक

संवाददाता/अरमान उलहक

सम्भल। जनपद सम्भल की नगर पँचायत नरौली निवासी वार्ड संख्या नो के सभासद रविन्द्र सिंह उर्फ जग्गू भैया के बहनोई बदायूँ निवासी ठाकुर अजीत कुमार सिंह के आस्मिक निधन की खबर सुनकर उत्तर प्रदेश की इकत्तीस विधान सभा क्षेत्र से भाजपा विधायक यूपी सरकार में माध्यमिक शिक्षा राज्यमंत्री गुलाब देवी ने जग्गू भैया के नरौली मोहल्ला ठाकुरद्वारा आवास पर पहुँच कर शौक सवेंदना व्ययक्त कि और अपने संवोधन में कहा स्वर्गीय ठाकुर अजीत कुमार सिंह राघव क्षत्रिय समाज के सम्मानित व्यक्ति थे उनका सभी धर्मों के लोगों में बराबर सम्मान था उनका निधन क्षत्रिय समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है उनकी कमी समाज में हमेशा महसूस की जायेगी इस दौरान माननीय राज्यमन्त्री गुलाब देवी, सभासद रविन्द्र सिंह ऊर्फ जग्गू भैया, वरिष्ठ भाजपा नेता संजीव कुमार सिंह राघव, सेक्टर संयोजक सतेंद्र शर्मा, राजेश राघव,ओरंगपुर सिलेटा निवासी पवन राघव, युवा नेता अंकुर त्रिवेदी,श्यामू शर्मा,सचिन शर्मा,कमल प्रजापति, मसियत अली, मजहर अली, हर्ष राघव, गोरी राघव,वरिष्ठ पत्रकार अरमान उलहक साहब आदि मौजूद रहे वहीं दूसरी और नरौली के मोहल्ला मकुपूरा निवासी सतीश कश्यप पुत्र रामौतार कश्यप कि सड़क दुर्घटना में मौत होने पर मृतक के परिवारिक सदस्यों और पत्नी से मिलकर सतीश कश्यप की मौत पर गहरा दुःख प्रकट किया और मृतक की पत्नि को हर संभव मदद का आश्वासन दिया इस दौरान चंद्रसेन दिवाकर एडवोकेट उर्फ छोटू भैया, वरिष्ठ भाजपा नेता संजीव राघव, पवन राघव, अंकुर त्रावेदी, कमल राघव आदि लोग मौजूद रहे वहीं तीसरी जगह समोसे विक्रेता ओमपाल के पुत्र के निधन पर भी शोक व्यक्त किया।

प्रखंड संसाधन केंद्र के सभागार में परिवर्तनकारी प्रारंभिक शिक्षक संघ प्रखंड इकाई बिस्फी मैं अध्यक्षों का पूर्ण गठन किया गया है रंजन कुमार ठाकुर

संवाददाता/मो सालिम आजाद/ मधुबनी। आज बिस्फी प्रखंड बी, आर, पी, के प्रांगण में परिवर्तनकारी शिक्षक संघ प्रखंड इकाई बिस्फी के संगठनों के पूर्ण गठन हेतु राजीव कुमार झा के अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई और बैठक में लोकतांत्रिक प्रणाली से निम्न पदों के लिए शिक्षक सदस्यों का चयन किया गया है जिसमें शिक्षक सदस्य अध्यक्ष मनोज कुमार मंडल, महासचिव मोहम्मद शाहिद अख्तर, कोषा अध्यक्ष छोटे प्रसाद यादव, संयोजक राम कुमार गुप्ता सचिव देव कृष्ण, और शिक्षक सदस्यों के चयन प्रक्रिया में जिला इकाई से विकास कुमार, रंजन कुमार ठाकुर, प्रमोद कुमार राय, कपिल कुमार, श्याम कुमार सिंह, मोहम्मद ओवैस अंसारी, विवेकानंद विकल, अरुण कुमार, देवेंद्र यादव, श्याम कुमार, एकबाल अहमद, मौलाना मो जियाउररहमान, अफरोज आलम,सुधिलाल यादव, मो अली, मो सालिम ईमानी, उदय चन्द्र यादव, वगैरह उपस्थित थे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

रोजाना खाएं इलायची, नहीं होगी कोई बड़ी परेशानी

भारतीय खाना मसालेदार होने के कारण दुनियाभर में मशहूर है, जिनमें कई मसालों को इस्तेमाल किया जाता हैं। इन मसालों में इलायची भी हैं जो अपने स्वाद के लिए ही नहीं बल्कि अपने कई गुणों के कारण प्रचलित हैं। आज हम आपको इलायची से जुड़े कई स्वास्थय लाभ के बारे में बताने जा रहें। इलायची के सेवन से बहुत-सी स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों में मदद मिलती हैं।

1. इलायची को ज्यादातर सांसो की बदबू और हाजमा ठीक करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा अगर आप इलायची को उबालकर सुबह चाय के साथ लेते है तो आपकी सांसों की बदबू की समस्या भी दूर हो जाएगी।
2. पेट की जलन, पेट फूलना और गैस की समस्या के दूर करने के लिए इलायची का सेवन करें।
3. रोजाना इलायची का सेवन करने से ब्लड सकुर्लेशन ठीक रहता है, जिससे आप अस्थमा और सांस संबंधी रोगों में भी राहत पा सकते हैं।
4. इलायची की तासीर गर्म होती है इसलिए इसको खाने से सर्दी जुकाम भी कम होता है। इलायची जमे कफ को बाहर निकालने में भी मदद करती है।
5. इलाइची में भरपूर मात्रा में जिंक और आयरन होता है जो शरीर में विटामिन सी और अन्य खून से जुड़ी समस्याओं को कम करती हैं।
6. इलायची में मौजूद मेगनीज शरीर से टॉक्सिन को बाहर निकालता है, जिससे शरीर को कैंसर जैसी बड़ी बीमारियों से लड़ने की क्षमता मिलती हैं।
7. इलायची में पोटैशियम मैग्नीशियम और कैल्शियम जैसे खनिज पदार्थ मौजूद होते हैं जो ब्लड प्रैशर को कंट्रोल करते है।
8. इलायची को उबालकर इसकी चाय पीने से डिप्रेशन दूर होता है।

पिंपल्स से बचने के लिए डाइट में शामिल करें ये चीजें

पिंपल्स को दूर करने के लिए लड़कियां तरह-तरह की क्रीम लगाती हैं, लेकिन अपनी डाइट पर ध्यान नहीं देती। अगर अपनी डाइट में बदलाव करें तो उनके चेहरे पर पिंपल्स को काफी हद तक कम किया जा सकता है। पिंपल्स की समस्या हार्मोन की गड़बड़ी से भी हो सकती है। पिंपल्स से छुटकारा पाना है तो ये पांच फूड अपनी डाइट में करें शामिल-

पालक :
हमारे शरीर में जमे हुए विषाक्त पदार्थ और बैक्टीरिया ही मुंहासे का कारण बनते हैं। हरी पत्तेदार सब्जियों में क्लोरोफिल पाया जाता है जो पाचन तंत्र और रक्त प्रवाह से विषाक्त पदार्थों और बैक्टीरिया को निकालने का काम करता है।

हल्दी :
हल्दी शरीर की सूजन को दूर और त्वचा को साफ करती है। यह अंदर पनप रहे बैक्टीरिया और दूषित पदार्थों को एक्ने बनाने से रोकती है। आपको दिन भर में बस दो चम्मच हल्दी का सेवन करना है।

कोकोआ :
यह टेस्ट में काफी अच्छा होता है। इसमें शक्कर होती है जो त्वचा के लिये बेहद लाभकारी होता है। यह एक्ने से लडे में मददगार होता है तथा इसको खाने से खून भी साफ होता है और चेहरे पर जवानी आती है।

गाजर :
गाजर में विटामिन ए होता है जो कि बीटा कैरोटीन के रूप में पाया जाता है। अगर एक्ने से जल्दी ही छुटकारा पाना है तो, गाजर खाना शुरू कर दें।

सालमन मछली :
इस मछली को खाने से त्वचा खूबसूरत, दिल मजबूत और मूड अच्छा बनता है। इसमें ओमेगा 3, प्रोटीन होता है जिससे स्किन के अंदर कोलेजन बनता है।

जरूरत से ज्यादा करेंगे ये काम तो होगा नुकसान

हम अपने लाइफस्टाइल में बहुत सी चीजों को हद से ज्यादा करने लगते हैं। इसके पीछे यही सोच होती है कि शायद कुछ ज्यादा करने से इसका फायदा भी ज्यादा मिलेगा। आज हम आपको कुछ ऐसे ही कामों के बारे में बता रहे हैं जो जरूरत से ज्यादा करने से सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। यह बात औरत और मर्द दोनों पर ही लागू होती है। आइए जानते हैं इन बातों के बारे में

1. एक्सरसाइज
अपनी सेहत को स्वस्थ्य रखने के लिए व्यायाम करना बहुत जरूरी है। इससे शरीर में स्फूर्ति भी बनी रहती है लेकिन ज्यादा फायदा पाने के चक्कर में ज्यादा टाइम लगाना नुकसानदेह हो सकता है। इससे शरीर में स्फूर्ति की जगह थकावट रहेगी और आपकी मांसपेशियों को भी इससे नुकसान हो सकता है।

2. नहाना
आपको अगर यह कहा जाए कि नहाने से भी सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ता सकता है तो आपको शायद अजीब लगेगा। ज्यादा समय तक पानी में पहने से सर्दी और जुखाम जैसी दिक्कतें आ सकती हैं। पानी में ठंड़क होती है और गर्मी के एकदम पानी के संपर्क में आने से नुकसान हो सकता है।

3. देर तक सोना
सारा दिन काम करने के बाद रात को सोना बहुत जरूरी है। थकावट को दूर करने के लिए 7-8 घंटे की नींद पर्याप्त होती है। सुबह देर तक सोते रहने से आपका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। देर तक सोते रहने से मोटापा, मधुमेह, उच्च और निम्न रक्त चाप जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इस लिए जरूरी है कि ज्यादा सोने की बजाए उतनी नींद ही लें, जितनी जरूरत हो।

4. जागना
सोना और जागना ऐसी प्रक्रियाएं हैं जिसके बिना हमारी दिनचर्या अधूरी है। वैसे तो सुबह जल्दी उठना सेहत के लिए अच्छा माना जाता है लेकिन देर तक जागते रहने से सिर दर्द, थकावट और भूख न लगने जैसी परेशानियां हो सकती हैं।

पीपल से ब्यूटी-सेहत के फायदे

भारत में जहां पीपल के पेड़ को धार्मिक महत्व दिया जाता है, वहीं दूसरी तरफ इसमें कई स्वास्थय संबंधी राज भी छिपे हैं। पीपल कई बीमारियों का इलाज करने में काफी सहायक है। जैसे- दांतो में दर्द, मुंह से बदबू आना, घाव को जल्दी भरे, खुजली, दमा, चेहरे की समस्या (झुर्रियां) आदि। पीपल के पेड़ में कई एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो आपके स्वास्थ लिए काफी फायदेमंद साबित होते हैं।

1. झुर्रियां
इसकी ताजी जड़ों को काट लें। इसके बाद जड़ों को पानी में भिगोकर इसका पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को चेहरे में लगाएं और सुख जाने पर गुनगुनें पानी से चेहरा धो लें। ऐसा करने से यह आपको लंबे समय तक जवां बनाए रखता है।

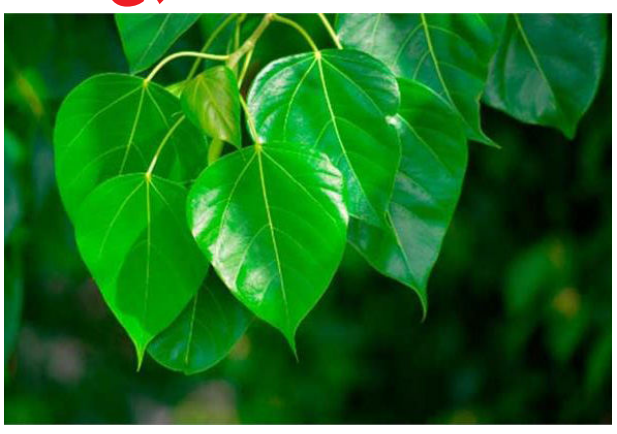

2. दांत
पीपल की 10 ग्राम छाल, कत्था और 2 ग्राम काली मिर्च को बारीक पीसकर इसका पाऊडर बना लें। रोजाना इसका मंजन करने से दांतों की समस्या दूर हो जाती है। जैसे- दांतों का हिलना, दांतों में सड़न, बदबू और यह दांतों को सफेद बनाए रखता हैं।

3. दमा
पीपल की अंदर की छाल को निकाल कर इसका चूर्ण बना लें। नियमित रूप से इस चूर्ण का सेवन करने से सांस लेने में कोई तकलीफ नहीं होती।

4. खुजली
पीपल के 2-4 पत्ते चबाने से या फिर इसकी छाल का काढ़ा बनाकर पीने से दाद-खाज खुजली जैसी समस्या दूर हो जाती हैं।

5. फटी एड़ियां
अगर आप पीपल के पत्तों से निकला हुआ दूध अपनी फटी एडियों पर लगाएंगी तो यह उपचार आपकी एड़ियों को नरम बनाने में काफी कारगार है।

6. घाव
पीपल के पत्ते घाव को जल्दी भरने में भी काफी मददगार साबित होते हैं। अगर इसके पत्तों को गर्म करके घावों पर लेप लगाया जाए तो घाव जल्दी भरने लगता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कंगना रनौत के ढीले हुए तेवर

बॉलीवुड की पंगा क्वीन कंगना रनौत अक्सर किसी न किसी वजह से सुर्खियों में बनी रहती हैं। यही नहीं कंगना को कई बार इंडस्ट्री के कई दिग्गज स्टार्स से भी लड़ते हुए देख गया है। इन्हीं में से एक फिल्म निमार्ता करण जौहर भी है, जिन्हें कंगना कुछ खास पसंद नहीं करती हैं। दरअसल कंगना को बहुत बार करण जौहर पर सीधा निशाना साधते हुए देखा गया है, लेकिन हाल ही में एक्ट्रेस ने कुछ ऐसा किया जिसे देखकर हर कोई हैरान है। दरअसल गुरुवार को कंगना रनौत ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर करण जौहर की फिल्म 'शेरशाह' की तारीफ की। जबकि कुछ साल पहले कंगना ने 'कॉफी विद करण' के एक एपिसोड में करण जौहर पर नेपोटिज्म का ठेकेदार होने का आरोप लगाया था। खैर, हाल ही में कंगना ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर दो फोटोज शेयर की है, जिसमें से पहली तस्वीर कैप्टन बत्रा और दूसरी फिल्म के बारे में है। इस पोस्ट को शेयर करके कंगना ने लिखा, राष्ट्रीय नायक विक्रम बत्रा पालमपुर के एक हिमाचली लड़के थे, जो बहुत लोकप्रिय और प्रिय सैनिक थे। जब उनकी निधन की खबर आई तो हिमाचल में ये खबर जंगल में आग की तरह फैल गई। इसकी यादें हमारे दिलों में आज भी ताजा हैं। एक बच्चे के रूप में मुझे इस खबर ने कई दिनों तक परेशान किया था।

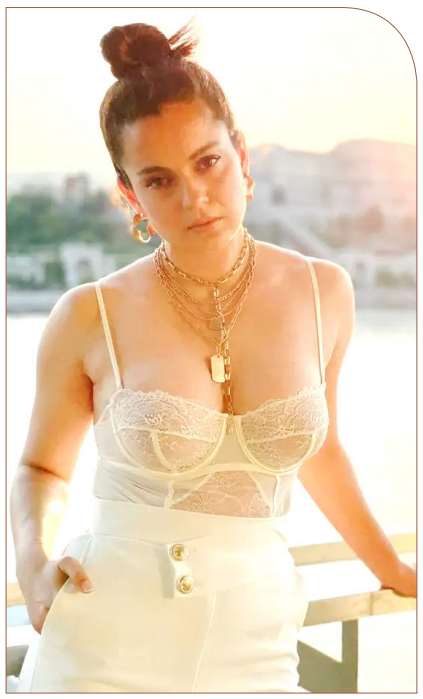

सोहा और कुणाल मिलकर खेमू लिखेंगे बच्चों से संबंधित किताबें

बॉलीवुड अभिनेत्री सोहा अली खान और उनके पति अभिनेता कुणाल खेमू बच्चों के जीवन से जुड़ी कहानियों पर तीन किताबों की एक श्रृंखला लिखेंगे। पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया (पीआरएचआई) ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि उसने दंपति से चित्रों वाली पुस्तकों की एक श्रृंखला को प्रकाशित करने के अधिकार प्राप्त कर लिए हैं। चित्रों वाली पुस्तकों की इस श्रृंखला में कुल तीन किताबें होंगी, जिसका शीर्षक 'इन्नी और बोबो' होगा। इस श्रृंखला की पहली पुस्तक अगले वर्ष रिलीज होगी। 'इन्नी और बोबो' एक ऐसे छोटे बच्चे के जीवन पर आधारित है जो नये दोस्त बनाने और कुत्तों को पालने में खुशी ढूंढता है। इन पुस्तकों से युवा पाठकों को सहानुभूति के नये पहलु और जीवन के कुछ विशेष सिद्धांतों के बारे में जानकारी मिलेगी। सोहा और कुणाल ने अपनी तीन वर्षीय बेटी इनाया नाउमी खेमू के बारे में बताया कि वह हमेशा नयी कहानियां सुनने को लेकर उत्सुक रहती है।

फिल्म 'चेहरे' के लिए अमिताभ ने नहीं ली फीस

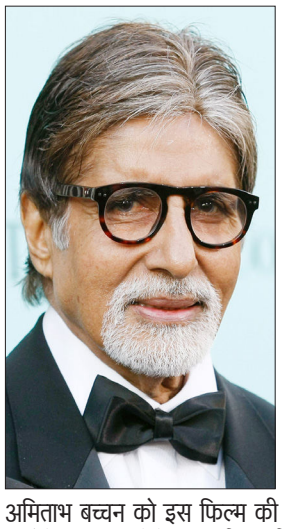

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन और इमरान हाशमी की फिल्म 'चेहरे' का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। आनंद पंडित की मिस्ट्री थ्रिलर 'चेहरे' 27 अगस्त को थिएटर में रिलीज होने जा रही है। फिल्म में मेगास्टार अमिताभ बच्चन और इमरान हाशमी एक दूसरे के खिलाफ हैं। चेहरे में, दर्शक बिग बी को एक वकील की भूमिका निभाते हुए देखेंगे जबकि इमरान हाशमी एक बिजनेस टाइकून की भूमिका निभाएंगे। खबरों के अनुसार अमिताभ बच्चन को इस फिल्म की स्क्रिप्ट इतनी पसंद आई कि उन्होंने फिल्म करने के लिए फीस नहीं ली। अमिताभ बच्चन ने शूटिंग के दौरान यात्रा भी अपने पैसों से ही की थी। अमिताभ ने यात्रा के लिए इस्तेमाल की गई चार्टर्ड प्लेन का भुगतान किया था। एक इंटरव्यू के दौरान प्रोड्यूसर आनंद पंडित ने कहा, फिल्म चेहरे के लिए अमिताभ ने एक पैसा भी नहीं लिया है। क्योंकि उन्हें फिल्म की स्क्रिप्ट बहुत इंटरेस्टिंग लगी की उन्होंने इसके लिए एक भी पैसा लेने से उचित नहीं समझा और इनकार कर दिया।

A.B.V.M. AGRAWAL JATIYA KOSH'S
G.D. JALAN COLLEGE OF SCIENCE & COMMERCE
A sister concern of S. J. PODDAR ACADEMY (ICSE)
Estd. : 2011
Admissions Open for Academic Year 2021-2022
F.Y.J.C. / S.Y.J.C. (Science & Commerce)
B.M.S. / B.A.F. / B.Sc. (I.T.)
B.Com. / B.Sc. (CBZ)
COLLEGE CODE : 527
Upper Govind Nagar, Malad (East), Mumbai – 400097.
Phone No.: 022- 40476030
www.gdjalan.edu.in